



चक्रवात अर्नब ने धारण किया अत्यंत भीषण रूप! १४० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से टकराने की आशंका, आंध्र-ओड़िशा अलर्ट पर

भुवनेश्वर २७/१०  
(संवाददाता): बंगाल की  
खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती  
तूफान अर्नब अब एक अत्यंत  
भीषण चक्रवाती तूफान का रूप  
ले चुका है। भारतीय मौसम  
विज्ञान विभाग द्वारा जारी ताजा  
बुलेटिन के अनुसार, यह  
चक्रवात २८ अक्टूबर को आंध्र  
प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश  
यनम के तटीय इलाकों-  
विशेषकर बापटला और  
विशाखापजनम-के बीच तट से  
टकरा सकता है। तूफान की  
भयावहता को देखते हुए आंध्र  
प्रदेश और ओडिशा सरकार ने  
हार्ड अलर्ट जारी कर दिया है  
और तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने  
पर लोगों का सुरक्षित निष्क्रमण  
शुरू कर दिया है। मौसम  
वैज्ञानिकों के अनुसार, लैंडफॉल  
(तट से टकराने) के दौरान ११५  
से १२५ किमीमीटर प्रति घंटे  
की रज्जार से चक्रवाती हवाएं  
चलने का अनुमान है, जिनकी



गति बढ़कर 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और मूसलाधार बारिश की चेतावनी आपदा की गई है। प्रशासन ने आपदा प्रतिक्रिया टीमों को तैनात कर दिया है, आपातकालीन आश्रय स्थलों की व्यवस्था की है और जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए एह्तियाती निर्देश जारी किए हैं।

दृष्ट के मुताबिक, पिछले छह घंटों के दौरान यह चक्रवात लगभग 23 किमी प्रति घंटे की

रज्जुतार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। 26 अक्टूबर की रात 11:30 बजे, यह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केन्द्रित था। उस समय, यह तूफान ओडिशा के गोपालपुर से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में, विशाखापत्तनम से 350 किमी दक्षिण-पूर्व में और आंध्र प्रदेश के काकीनाडा से 420 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था। विशाखापत्तनम में लगा डॉक्टर वेदर रडार इस तूफान की निगरानी कर रहा है, जैसे-जैसे

यह तट के करीब आ रहा है। प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। भारी बारिश और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के बीच, आंध्र प्रदेश सरकार ने आपातकालीन तैयारियों और राहत कार्यों के लिए 20 जिलों को 27 करोड़ रुपये के लिए दिए हैं। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि बापटला, कृष्णा, कोनासीमा, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी

## ज्ञानेश कुमार तुरंत दें इस्तीफा, एसआईआर पर ईसीआई के खिलाफ वामपंथी दलों ने दिल्ली में खोला मोर्चा

नई दिल्ली २७/१०  
(संवाददाता): भारतीय  
कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय  
कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)  
ने २७ अक्टूबर को नई दिल्ली  
में एक %मानव श्रृंखला%  
बनाकर विरोध प्रदर्शन किया  
और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश  
कुमार के इस्तीफे की मांग की।  
प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची  
के %विशेष गहन पुनरीक्षण में  
गड़बड़ी का आरोप लगाया और  
इस प्रक्रिया को रद्द करने की  
मांग की। यह प्रदर्शन चल रहे  
आंदोलन का ही एक हिस्सा  
है। CPI के सांसद पी. संतोष  
कुमार ने कहा कि आने वाले  
दिनों में यह विरोध और तेज  
होगा। उन्होंने कहा कि यह  
असल में हमारे चल रहे  
आंदोलन का ही हिस्सा है। आने  
वाले दिनों में हम इसे और तेज  
करेंगे। यह CPI(क) के विरोध  
प्रदर्शन है। कई साथी इसमें  
शामिल हो रहे हैं और १ नवंबर  
को एक विशाल रैली निकाली



जाएगी। हमारा विरोध मार्च और अन्य कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे। CPI के महासचिव डी. राजा ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और अधिकारियों से आग्रह किया कि जंतर-मंतर को फिर से सार्वजनिक विरोध-प्रदर्शन की जगह के रूप में बहाल किया जाए।

राजा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए, और जंतर-मंतर को लोगों के विरोध-प्रदर्शन के लिए फिर से खोल देना चाहिए। CPI नेता एनी राजा ने भी स्टूक प्रक्रिया

को रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जो स्ट्रुक प्रक्रिया चल रही है, उसे रोका जाना चाहिए। हम चाहते हैं कि सरकार इस स्ट्रुक प्रक्रिया को रद्द करे और ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। हम यही काम कर रहे हैं। इससे पहले 27 अक्टूबर को, सांसद पी. संतोष कुमार ने स्ट्रुक प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए भारतीय चुनाव आयोग की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह फैसला स्वीकार्य नहीं है और यह मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 का उल्लंघन करता है।

## रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की रैली को दिल्ली पुलिस ने दी एनओसी

नयी दिल्ली २७/१०  
(संवाददाता): दिल्ली पुलिस ने  
मंगलवार को स्पष्ट किया कि  
उत्तर रामलीला मैदान में एक  
नवंबर को होने वाली विपक्षी  
'ईडिया' गठबंधन की रैली की  
अनुमति वापस नहीं ली है।  
पुलिस का यह स्पष्टीकरण  
कांग्रेस के उन आरोपों के बीच  
आया है जिनमें पार्टी ने दावा  
किया था कि अधिकारी मुख्य  
निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार  
के खिलाफ उसके कार्यक्रम में  
बाधा डाल रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से अपराजित प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया गया है। पुलिस ने यह भी कहा कि वह निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा के लिए लगभग 3,500 कर्मियों को तैनात करने तथा 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का



उपयोग करने की तैयारी कर रही है। पुलिस ने भीड़ प्रबंधन के लिए आयोजन स्थल को 15 ज़ोन में विभाजित किया है, आरक्षित बलों की 10 कंपनियों को बुलाया है तथा सीसीटीवी कैमरों, 'बॉडी-वॉर्न' (शरीर पर पहने जाने वाले) कैमरों और निगरानी उपकरणों से लैस वाहनों के माध्यम से नजर रखने की योजना बनाई है।

कांग्रेस मुज्यालय के  
प्रभारी नेता मनीष चतरथ को



17 अक्टूबर को भेजे गए आधिकारिक पत्र के अनुसार, एनओसी इस शर्त पर दी गई है कि जमीन का स्वामित्व रखने वाले विभाग से पहले अनुमति लेनी होगी और तय शर्तों का पालन करना होगा। इस पत्र में कांग्रेस की उस मांग का जिक्र है, जिसमें 25 अक्टूबर से तीन नवंबर तक रामलीला मैदान बुक करने की बात कही गई थी। यहां एक नवंबर को पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक रैली होनी है।

नयी दिल्ली २७/१०  
(संवाददाता): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चिज्वेल में भाजपा गोवा को प्रोदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। नितिन नवीन ने कहा कि जब तक भाजपा का कार्यकर्ता उत्साह और ऊर्जा के साथ जमीन पर संघर्ष करेगा, तब तक कोई मोदी जी को हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आपका उत्साह और चेहरे का विश्वास मेरी ताकत को बढ़ा रहा है। मुझे आश्चर्य कर रहा है कि गोवा में 2027 में हर बूथ पर कमल खिलेगा। गोवा की टीम ने तय कर लिया है कि इस बार सिर्फ सरकार नहीं बनानी है, बल्कि एक ऐसी सरकार बनानी है, जो प्रमोद जी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा

पीएम मोदी के 'बाप' वाले खरगे के बयान पर भड़के कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चौहान

मुंबई २७/१०  
(संवाददाता): महाराष्ट्र के पूर्व  
मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ  
नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने  
मंगलवार को कहा कि कांग्रेस  
अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को  
ऐसा बयान नहीं देना चाहिए  
था और उन्होंने माफी मांगनी  
चाहिए। पृथ्वीराज चव्हाण ने  
आगे कहा कि हर राजनीतिक  
दल को अपनी भाषा में मर्यादा  
बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने  
भाजपा की तीखी और डींगें  
हांकने वाली बयानबाजी के मुद्दे  
पर भी बात की। यह घटनाक्रम  
ऐसे समय में सामने आया है  
जब कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के  
इस्तीफे की मांग कर रही है  
और अपने वोट बचाओ  
अभियान के तहत पूरे गुजरात  
में जिला स्तर पर बैठकें कर  
रही है। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा  
कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन  
खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी  
पर अपनी विवादित टिप्पणी  
करके एक गलती की है।

उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के नेताओं को कभी भी मर्यादित भाषा का त्याग नहीं करना चाहिए।



महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि खड्गे को टिप्पणी अनुचित थी, लेकिन अतीत में भी बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ बयान दिए हैं। रविवार को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान, खड्गे ने दर्शकों में से एक व्यक्ति का बात का जवाब देते हुए मोदी का बाप भी जाएगा कहकर विवाद खड़ा कर दिया।

गौरतलब है कि खड़गो ने यह बात बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। खड़गो ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में स्थिति अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जेल भेजेगी।

**नई सोच के साथ आगे बढ़ रहा भारत,  
करना है दुनिया का नेतृत्व-पीएम मोदी**

(संवाददाता) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्फ्लेव 2026 का उद्घाटन किया। 27 से 29 अक्टूबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रमुख वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगति के दिग्गज, स्टार्टअप और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ एक साथ आए हैं। वे उभरती हुई तकनीकों और विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के क्षेत्र में भारत की प्रामुखिकताओं पर चर्चा करेंगे। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा जिस स्किल पर सोच रहे हैं, जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वह उत्साह बढ़ाने वाला है। दशकों पहले एक समय था, जब भारत के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी का मतलब था- कैचअप



उन्होंने कहा कि आज हम प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह तक पहुँचते हैं। हम चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचते हैं, जहाँ कोई नहीं पहुँच पाया। इसलिए मोदी ने कहा कि दुनिया के कुछ इन्वेंटेक्टर होता था तो कुछ सालों बाद वो तकनीक हम तक पहुँचती थी। हम उसे अपनाते थे या उसमें कुछ सुधार करके आगे बढ़ाते थे। लेकिन आज 21वीं सदी का भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। अब हमारा लक्ष्य भारत के लिए, दुनिया के लिए, आज के लिए,

## अखिलेश ने चंद्रशेखर से गठबंधन खारिज कर बोले-यूपी में ९०-१० का होगा मुकाबला

लखनऊ २७/१०  
(संवाददाता): उच्चार प्रदेश  
विधानसभा चुनाव की तैयारियां  
तेज हो गई हैं। राजनीतिक दल  
अपने प्रचार अभियान को तेज  
कर रहे हैं, जबकि गठबंधन और  
सीटों के बंटवारे को लेकर  
बातचीत जारी है। इस  
राजनीतिक सरगर्मा के बीच,  
समाजवादी पार्टी के प्रमुख  
अखिलेश यादव ने मंगलवार  
को चंद्रशेखर आजाद की आजाद  
समाज पार्टी (कांशीराम) के  
साथ गठबंधन की संभावना को  
खारिज कर दिया। साथ ही,  
उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर  
भी निशाना साधा। चंद्रशेखर  
आजाद के साथ गठबंधन की  
संभावना पर प्रतिक्रिया देते हुए,  
यादव ने इसे सिरे से खारिज

कर दिया और कहा कि समाजवादी पार्टी उनके समर्थन के बिना भी जीत सकती है। उन्होंने कहा चंद्रशेखर आजाद के साथ गठबंधन ज्यों होगा? हम तो उनके बिना भी जीत रहे हैं। उन्होंने ओवैसी का नाम लिए बिना उन पर भी निशाना साधा। उन्होंने पतंग का उदाहरण



देते हुए कहा कि कुछ  
 राजनीतिक खिलाड़ी पदों के पीछे  
 से मिलने वाले समर्थन के दम  
 पर ही आगे बढ़ते हैं। यादव ने  
 इशारा किया कि उनका  
 राजनीतिक प्रभाव इस बात पर  
 निर्भर करता है कि उन्हें पीछे  
 से कितना समर्थन मिल रहा  
 है। यादव ने कहा डोर किसके  
 हाथ में है? पतंग उतनी ही ऊंची  
 उड़ती है, जितनी उसे ढील दी  
 जाती है।

अगर डोर खत्म हो जाए, तो खेल खत्म हो जाता है। सच तो यह है कि पीछे से जितनी ज्यादा ढील मिलेगी, पतंग उतनी ही ऊंची उड़ेगी। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि इस बार का चुनावी मुकामला 80-20 का नहीं, बल्कि 90-10 का होगा, जिसमें 90 प्रतिशत वे लोग

आने वाले कल के लिए नई टेक्नोलॉजी बनाना, उसकी दिशा तय करना और दुनिया की समस्याओं के समाधान देने की शक्ति विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हमने इसका उदाहरण देखा है। जब दुनिया के अनेक देश वैजसीन की उपलब्धता को लेकर चुनौतियों का सामना कर रहे थे, भारत ने अपनी वैजसीन विकसित की। भारत ने बड़े स्तर पर वैजसीनशन किया और दूसरे देशों को भी वैजसीन भेजी। यही 21वीं सदी के भारत का आत्मविश्वास है।

शामिल होंगे जो खुद को पीड़ित या परेशान महसूस करते हैं।

सोमवार को, चंद्रशेखर ने अखिलेश यादव के साथ गठबंधन करने का प्रस्ताव दिया था। आज्ञाद ने कहा कि अगर बीजेपी को हराना है, तो समाजवादी पार्टी प्रमुख को सबको साथ लेकर चलना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी दलों को उनका उचित हिस्सा मिले। इससे पहले, ओवैसी ने भी अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि जो कोई भी मुसलमानों के अधिकारों की बात करता है, उसे सपा प्रमुख अपना दुश्मन मानते हैं। ओवैसी ने दावा किया कि जब मुजफ्फरनगर दौरे हुए थे, तब अखिलेश के पास 47 मुस्लिम विधायक थे।

जब तक भाजपा कार्यकर्ता जमीन पर सक्रिय हैं, पीएम मोदी को कोई हिला नहीं सकता-नितिन नबीन

निरंतर बनाई गई विकास की गति को बरकरार रखते हुए विकसित गोवा का मार्ग प्रशस्त करे। नितिन नवीन ने आगे कहा कि मैं आज गोवा के मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद देते आया हूँ। पीएम मोदी जी आत्मनिर्भर भारत का जो सपना देख रहे हैं, आप उस सपने को गोवा के लिए भी सार्थक करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। करीब 32,000 करोड़ रुपये का बजट इस राज्य का अपना हो गया है। जहाँ देश में कुछ ऐसे राज्य भी हैं, जो जनता

के वादों को भूल जाते हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने वादा पूरा नहीं किया। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने घोषणा पत्र के वादों पूरे नहीं किए। वहीं जहां-जहां हमारी सरकारें बनी हैं, हमने एक-एक संकल्प को सिद्धि की ओर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि मैं आज भाजपा के उस वर्ग के साथ बैठा हूँ, जिसने संगठन को गढ़ा है। गोवा में अगर आज हमारी सरकार है, तो आपकी मेहनत और परिश्रम के कारण है। भाजपा की

के लिए निकलती है। राहुल गांधी कभी विकास पर सवाल नहीं उठाते हैं, ज्योंकि पीएम मोदी ने मौका ही नहीं दिया है। मोदी जी ने विकास को इतनी बड़ी लकीर खींची है कि कांग्रेस के नेता दूर-दूर तक नजर नहीं आते हैं। उन्हें मालूम है कि अगर विकास पर सवाल करेंगे, तो खुद कठघरे में आ जाएंगे। इनके दिल में देश की माताओं-बहनों के लिए कोई सज्जान नहीं है। सज्जान होता, तो कार्रवाई करते पर हिज्मत नहीं है, ज्योंकि जब पूरी पार्टी खुद घिरी हो, तो वह किसी पर कार्रवाई कैसे करे। उन्होंने कहा कि अभी देश में लोकतंत्र को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। जो संविधान को दुहाई दे रहे हैं, उन्हें संविधान से कोई मतलब नहीं है, इन्होंने संविधान को तार-तार किया है।



# विविध समाचार



## चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ का खतरा: तटीय इलाकों से निकासी शुरू

अमरावती/भुवनेश्वर २७/१० (संवाददाता): बंगाल की खाड़ी में ‘बेहद गंभीर’ चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ने और अगले 24 घंटे के भीतर इसके तट से टकराने की आशंका के बीच आंध्र प्रदेश और ओडिशा सरकार ने मंगलवार को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने सहित अन्य ऐहतियाती तैयारियां तेज कर दीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने ताजा बुलेटिन में बताया कि चक्रवात मंगलवार सुबह 11:30 बजे बंगाल की खाड़ी में आंध्र प्रदेश के विशाखापजनम से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था।

इसके शाम तक पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में बढ़ने और बुधवार सुबह तक बापटला तथा विशाखापजनम के बीच, यनम के पास तट पार करने की संभावना है। विभाग ने बताया कि तट से टकराते समय चक्रवाती तूफान के प्रभाव से 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से हवा चलने और इस गति के 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की योजना बनाई गई है और एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) के अनुसार, चक्रवात का असर दिखने लगा है और उजरी तटीय जिलों में जल्द ही भारी बारिश होने की आशंका है। श्रीकाकुलम जिले में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि विशाखापजनम और काकीनाडा में तेज हवाएं चलने लगी हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, राहत शिविरों में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और चक्रवात से होने वाले नुकसान को कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने संभावित रूप से प्रभावित होने वाले जिलों के जिलाधिकारियों से बात की और अधिकारियों को राहत शिविरों में भोजन, पेयजल तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन



करने की अपील की। लोगों को चक्रवात के दौरान घरों के भीतर रहने और तेज हवाओं के बीच बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के निर्देश पर उन्हें निकटतम आश्रय स्थल पर जाना चाहिए और समुद्र, नदियों तथा तालाबों से दूर रहना चाहिए। चक्रवात के करीब आने के साथ समुद्र में लहरों की ऊंचाई एक से दो मीटर तक पहुंचने की आशंका है। वहीं, उजरी आंध्र प्रदेश और तटीय जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होने का अनुमान है। जैन ने बताया कि राज्य के 20 जिलों में 2,131 चक्रवात आश्रय स्थल तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, 18 जिलों में 2.70 करोड़ लोगों के मोबाइल फोन पर लगातार

चक्रवात संबंधी चेतावनी संदेश भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तट पर 30,000 से अधिक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सुरक्षित कर दिया गया है, जबकि चक्रवात प्रभावित इलाकों में आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने के लिए 1,087 चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 8,281 आपातकालीन बिस्तरों और 1,274 एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। सांप के काटने की संभावित घटनाओं से निपटने के लिए अस्पतालों में सांप के जहर को निष्क्रिय करने वाली दवा की 21,536 खुराक भी उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि 1,351 गर्भवती महिलाओं को पहले ही सुरक्षित रूप से अस्पतालों में पहुंचा दिया

गया है। पेयजल के टैंकर, जनरेटर और ‘रिवर्स ऑस्मोसिस’ (आरओ) संयंत्र भी तैयार रखे गए हैं। चक्रवात के संभावित रूप से तट से टकराने से पहले भारतीय रेलवे ने करीब 600 किलोमीटर लंबे रेलमार्ग पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। समुद्र में खराब स्थिति के कारण उम्पाडा और काकीनाडा के बीच यातायात बाधित हुआ है। तट पर लगातार ऊंची लहरें उठने से आसपास के तटीय इलाकों के बीच आवाजाही प्रभावित हुई है। मौसम प्रणाली के प्रभाव से ओडिशा के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। राज्य सरकार का लक्ष्य करीब 48,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना है। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त

(एसआरसी) राजेश पी. पाटिल ने बताया कि गजपति और नबरंगपुर जिलों में लगभग 11-11 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मलकानगिरि, गंजाम, कोरापुट, रायगढ़ा, कालाहांडी और नुआपाड़ा जिलों में भी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान चल रहा है। आठ जिलों में मंगलवार और बुधवार को स्कूल बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पुरी, गजपति, गंजाम, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों के लिए ‘ऑरेंज अलर्ट’ जारी किया है। इन जिलों में 12 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक, ज्योंझर, मयूरभंज, कंधमाल, कालाहांडी, नबरंगपुर, खुर्दा, नयागढ़, जगतसिंहपुर, नुआपाड़ा, बलांगीर और बौध जिलों के लिए ‘येलो अलर्ट’ जारी किया है। इन जिलों में सात से 11 सेंटीमीटर तक भारी बारिश होने का अनुमान है। पाटिल ने बताया कि संवेदनशील इलाकों के लोगों को ठहराने के लिए 135 स्थायी

चक्रवात आश्रय स्थल और लगभग 1,600 अस्थायी आश्रय स्थल तैयार किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने संभावित रूप से प्रभावित इलाकों में 294 बचाव दल तैनात किए हैं। इनमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के नौ, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के 60 और अग्निशमन सेवा के 225 दल शामिल हैं। पाटिल ने कहा कि सरकार ने जनहानि रोकने का लक्ष्य रखा है और जिला अधिकारियों को जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ और झारखंड में नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश से पश्चिमी और उजरी ओडिशा में अचानक बाढ़ आने तथा जलभराव की आशंका है। चक्रवात के करीब आने के मद्देनजर ओडिशा के प्रमुख बंदरगाहों पारादीप, धामरा और गोपालपुर में भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी मंगलवार दोपहर बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दक्षिण 24 परगना

और पूर्व मेदिनीपुर के तटीय जिलों में मध्यम बारिश हुई, जबकि झारग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, हावड़ा और कोलकाता के कुछ हिस्सों में भी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 28 और 29 अक्टूबर को दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, पुरुलिया, बांकुड़ा और पश्चिम बर्धमान जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, कोलकाता में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग ने बताया कि उप-हिमालयी क्षेत्र के दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों में 29 और 30 अक्टूबर को भारी बारिश होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि चक्रवात के कारण झारखंड के कुछ हिस्सों में भी तीन दिन तक भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को सतर्क रहने को कहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 28 अक्टूबर सुबह साढ़े आठ बजे से अगले 24 घंटे के लिए रांची, खूंटो, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में भारी बारिश की आशंका के मद्देनजर ‘येलो अलर्ट’ जारी किया है।

## ओडिशा ने 48,000 लोगों को सुरक्षित निकालने की बनाई योजना

भुवनेश्वर २७/१० (संवाददाता): भीषण चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के पूर्वी तट की ओर बढ़ने के साथ ही ओडिशा में तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने के कारण राज्य सरकार ने मंगलवार को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तूफान के अगले 24 घंटे के भीतर पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है। विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) राजेश पी. पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार ने शाम तक निचले इलाकों और भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से कम से कम 48,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की योजना बनाई है।

उन्होंने कहा कि गजपति और नबरंगपुर जिलों में सबसे अधिक करीब 11,000-11,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा जबकि मलकानगिरी, गंजाम, कोरापुट, रायगढ़ा, कालाहांडी और नुआपाड़ा में भी निकासी अभियान जारी है। वहीं, आठ जिलों में स्कूलों को प्रभावित और बुधवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने पुरी, गजपति, गंजाम, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों के लिए ऑरेंज चेतावनी जारी की है, जिसमें 12 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक और खुर्दा सहित 16 जिलों के लिए सात से 11

सेंटीमीटर बारिश का अनुमान जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। पाटिल ने बताया कि संवेदनशील इलाकों के लोगों को ठहराने के लिए 135 स्थायी और करीब 1,600 अस्थायी आश्रय स्थल तैयार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारी से बहुत भारी बारिश और तेज हवाएं चलने के पूर्वानुमान के मद्देनजर भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने 294 बचाव दल तैनात किए हैं, जिनमें राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की नौ, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 60 और अग्निशमन सेवा विभाग की

225 टीमें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गंजाम जिले में सबसे अधिक बचाव दल तैनात किए गए हैं, जहां एनडीआरएफ की दो और एसडीआरएफ की नौ टीमें लगाई गई हैं। आईएमडी के अनुसार, तूफान पिछले छह घंटों के दौरान 22 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ा है और मंगलवार सुबह 5.30 बजे यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापजनम से करीब 260 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। तूफान के 27 अक्टूबर की शाम तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिमी दिशा में आगे बढ़ने के बावजूद राहुल गांधी के उद्देश्य रहे की तारीफ की और कहा कि कोर्ट का यह फैसला सच की जीत की शुरुआत है। प्रियंका गांधी वाड़ा ने लिखा,

२७/१० (संवाददाता): उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक विशेष स्कू-रू कोर्ट द्वारा अपराधिक मानहानि मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बरी किए जाने के बाद, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा ने सजाधारी प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन उनके भाई को बदनाम करने और निशाना बनाने के लिए एक गंदा अभियान चला रहा है, ज्योंकि राहुल गांधी ने सजा के सामने निडर होकर सच बोला है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका ने राजनीतिक और कानूनी दबाव के बावजूद राहुल गांधी के अडिग रहने की तारीफ की और कहा कि कोर्ट का यह फैसला सच की जीत की शुरुआत है। प्रियंका गांधी वाड़ा ने लिखा,



सच को कभी भी लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। इस सरकार ने मेरे भाई को बदनाम करने, उनकी छवि खराब करने और उन पर झूठे मुकदमे थोपने के लिए एक %गंदे अभियान% पर बेहिसाब संसाधन खर्च किए हैं—सिर्फ इसलिए ज्योंकि उन्होंने निडर होकर सच बोला। जिस तरह से उन्होंने झूठ के इस हमले का सामना किया है, उसके

लिए बहुत साहस, दृढ़ता और एक सच्चे योद्धा जैसी सहनशक्ति की जरूरत होती है। एक-एक करके, सब कुछ सामने आ जाएगा। सच पूरी तरह से और मजबूती से सामने आएगा। यह तो बस शुरुआत है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर संस्कृत वाक्यांश सत्यम शिवम

सुंदरम (सत्य, कल्याण, सौंदर्य) के साथ भगवान शिव के %त्रिपुंड्र% तिलक (तीन आड़ी सफेद रेखाएं, जिन्हें एक खड़ी लाल रेखा काटती है) जैसा दिखने वाला एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिससे राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा छिड़ गई। यह प्रतिक्रिया 26 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित स्कू-रू कोर्ट में हुए एक महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम के बाद आई है। 2018 के मानहानि के एक मामले में, स्थानीय भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अगस्त 2018 में एक अपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर थी।

## सीएम सम्राट चौधरी ने नशामुक्त बिहार अभियान शुरू किया, व्हाट्सएप चैटबॉट और हेल्पलाइन जारी

पटना २७/१० (संवाददाता): मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यक्रम %नशामुक्त बिहार अभियान% का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यह अभियान 27 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026 तक राज्यभर में चलाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने व्हाट्सएप चैटबोट एवं हेल्पलाइन की शुरुआत की तथा %नशामुक्त बिहार अभियान% से संबंधित जन-जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान के तहत रवाना किए गए जन-जागरूकता वाहन अगले एक माह तक बिहार के विभिन्न जिलों में जाकर ऑडियो-विजुअल माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों और नशामुक्त जीवन के लाभों के प्रति जागरूक करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों एवं आमजनों को नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने, दूसरों को नशे से दूर रहने हेतु जागरूक करने, नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को रोकने तथा बिहार को नशामुक्त बनाने की दिशा में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, जीविका तथा ब्रह्माकुमारीज द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। विभाग की ओर से नशामुक्ति के लिए चलाए जा रहे जन-जागरूकता कार्यक्रमों तथा शराब के अवैध कारोबार के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई पर आधारित लघु फिल्म भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गई।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार के लिए महत्वपूर्ण दिन है। आज %नशामुक्त बिहार अभियान% की शुरुआत की गई है, जिसे जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प और केंद्रीय गृह मंत्री आदरणीय श्री अमित शाह द्वारा वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज के साथ सहयोग की पहल की है। बिहार में भी इस दिशा में सहयोग स्थापित किया गया है। %नशामुक्त बिहार अभियान की सफलता के लिए निर्धारित लक्ष्य को और व्यापक बनाना होगा। मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नुकड़ नाटक, चौपाल और पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाना राज्य के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। नशे की लत के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी

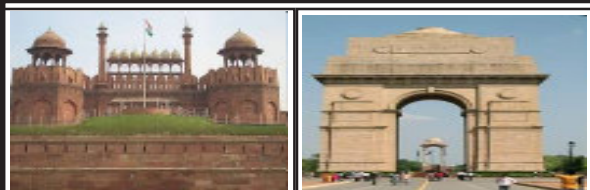
अपना भविष्य बर्बाद कर लेते हैं। इसलिए इस अभियान में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ी सशक्त, स्वस्थ और समृद्ध बिहार के निर्माण में योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के साथ-साथ अब सूखे नशे के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई आवश्यक है। वर्ष 2024 में बिहार में 282 किलोग्राम चरस जप्त की गई थी, जबकि वर्ष 2025 में यह मात्रा बढ़कर 400 किलोग्राम हो गई। इसी प्रकार, वर्ष 2024 में 42 किलोग्राम हेरोइन जप्त की गई, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 65 किलोग्राम हो गई। अफीम की जप्ती वर्ष 2025 में 77 किलोग्राम दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों को गंभीरता से लेते

हुए नशीले पदार्थों का आपूर्ति और अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। सूखे नशे के बढ़ते प्रचलन को देखते हुए संबंधित जिलों में विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने पुलिस एवं मद्य निषेध विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अधिकारियों को पूरी तत्परता से काम करना चाहिए तथा आवश्यकतानुसार आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। बिहार में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अब 20 गुणा से अधिक मामले दर्ज हो रहे हैं, करीब 1700 मामले दर्ज हुये हैं जिनके निपटारे के लिये कई जिलों में विशेष न्यायालयों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने विधायक व्यक्त किया कि सख्त प्रवर्तन, प्रभावी नितरानी और जनभागीदारी से नशामुक्त बिहार के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से अब तक 1,755 आवेदन प्राप्त हुये जिनमें 1,650 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। जिन विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिला है या वे किसी आदेश से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे राज्यस्तरीय सहयोग शिविर में आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों को न्याय मिलना आवश्यक है, तभी बिहार विकास और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त बिहार अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृह मंत्री आदरणीय श्री अमित शाह जी तथा पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन और नशामुक्त भारत एवं नशामुक्त बिहार के संकल्प के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, जीविका दीर्दियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद

यादव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री श्री मदन सहनी, उच्च शिक्षा मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर तथा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव-सह-मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्रीमती प्रीता वर्मा, मद्य निषेध विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक श्री रत्न संजय, सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के सचिव श्री नवीन कुमार, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हिमांशु शर्मा, उत्पाद आयुक्त श्रीमती दिव्या शक्ति, निबंधन विभाग के महानिरीक्षक श्री कृष्ण चंद्र गुप्ता, ब्रह्माकुमारीज की राजयोगिनी संगीता देवी, जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के0 शर्मा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी, ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधि, जीविका दीर्दियों, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के जिलाधिकारी एवं आमजन जुड़े हुये थे।

# विविध समाचार



## युवतियां ही नहीं छोटे बच्चों को भी खासे भा रहे हैं कलरफुल विलप्स

इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व इस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।

युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल विलप खासे भा रहे हैं। विलप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्त दिखाने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद है। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे विलप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व इस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। छोटे बच्चों को भी

यह कलरफुल विलप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर विलप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर विलप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी यह हेयर विलप्स बहुत पसंद आ रहे हैं। कॉलेज गॉइंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद रखी हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह विलप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन विलप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पसंद कर रही हैं। इसका मुख्य कारण इन विलप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती है। युवतियां अपनी ड्रेस की मैचिंग के विलप्स लेती हैं।



## 2 बीएचके घर में स्पेस को मैक्सिमाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

यूं तो 2बीएचके घर में स्पेस एक फैमिली के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने स्पेस को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।

आजकल शहरों में लोग 2बीएचके घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। एक स्मॉल फैमिली के लिए 2बीएचके घर का स्पेस पर्याप्त माना जाता है। लेकिन जब आपके घर में बच्चे बड़े होने लगते हैं या फिर फैमिली बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्पेस कम होने लगता है। हालांकि, इस स्थिति में हर किसी के लिए बड़ा घर लेना उनके बजट में नहीं होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने घर के स्पेस को ही मैक्सिमाइज करें। अधिकतर लोगों को यह लगता है कि वे अपने घर को मैक्सिमाइज किस तरह करें। ऐसा करना मुश्किल नहीं है, बस आपकी अपेक्षा सही होनी चाहिए। अगर आप अपने 2बीएचके घर को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको बस कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान

टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने 2बीएचके घर के स्पेस को आसानी से मैक्सिमाइज कर सकते हैं-

### वर्टिकल स्पेस का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने 2बीएचके होम के स्पेस को अधिक मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप वर्टिकल स्टोरेज सॉल्यूशन पर विचार करें। इससे आपका काफी सारा सामान आसानी से आर्गनाइज हो जाएगा और आपको स्पेस प्रोब्लम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल करने के लिए आप वॉल-माउंटेन शेल्फ से लेकर कैबिनेट व हैंगिंग आर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। इससे आपके लिए अपनी किताबों से लेकर अन्य जरूरी आइटम्स व डेकोरेटिव आइटम्स को रखने में काफी आसानी होगी।

### मल्टीपर्स फर्नीचर में करें इनवेस्ट

कई तरह के फर्नीचर की जरूरत हम सभी को अपने घर में पड़ती ही है। लेकिन कई फर्नीचर पीस काफी सारा स्पेस लेते हैं, जिसकी वजह से 2बीएचके घर में भी स्पेस प्रोब्लम होती है। इसलिए आप मल्टीपर्स व स्पेससेविंग फर्नीचर

में इनवेस्ट करने का प्लान करें। मसलन, आप घर में अलग-अलग सोफा व बेड खरीदने की जगह सोफा कम बेड का इस्तेमाल करें। इसी तरह, फोल्डेबल बेड का उपयोग करें जिन्हें दिन के दौरान आसानी से स्टोर करके रखा जा सकता है। इसके अलावा, आजकल एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल का चलन है, जिन्हें आसानी से एक्सटेंड किया जा सकता है।

### कॉर्नर का भी करें इस्तेमाल

यह स्पेस को मैक्सिमाइज करने का एक स्मार्ट तरीका है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। घर के अलग-अलग कोनों को स्टोरेज व होम डेकोर के लिए काम में लिया जा सकता है। अगर आप चाहें तो कॉर्नर में मल्टीपर्स अलमारी या वॉल माउंटेन शेल्फ बनवाएं। इससे आप काफी सामान आसानी से रख पाएंगी। इसी तरह, अपने लिविंग एरिया के लिए एल शेप के सोफे या डेस्क का उपयोग करने पर विचार करें। इससे लिविंग एरिया का सेंट्रल स्पेस आसानी से बच जाता है और घर अपेक्षाकृत अधिक बड़ा व स्पेशियस फील होता है।



## इन टिप्स की मदद से 2 बीएचके घर का करें न्यू मेकओवर, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

हर इंसान का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में अपना घर लेना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। बड़े शहरों में लोग जड़ से अपना मकान तो नहीं ले पाते हैं लेकिन रहने के लिए प्लैट जरूर ले लेते हैं। ऐसे में घर छोटा हो या फिर बड़ा हर को सुंदर बनाना हर कोई चाहता है। अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो याद रखें हमेशा अपने घर को साइज के अनुसार डेकोरेट करें।

अगर आपका घर 2 बीएचके का है तो इसे आप रॉयल लुक दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको स्मार्ट डेकोर टिप्स को अपनाना होगा। इस लेख में हम आपको 2 बीएचके प्लैट को डेकोरेट करने के लिए स्मार्ट टिप्स के बारे में बताएंगे। तो देर किस बात करी आइए जानते हैं घर को खूबसूरत बनाने के लिए आसान और असरदार टिप्स।

### दीवारों का कलर

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए दीवारों का कलर बहुत जरूरी होता है। क्योंकि घर की सुंदरता दीवारों के कलर से आती है। दीवारों पर लाइट कलर का पेंट करना से घर पर बड़ा और ब्राइट नजर आता है। खासकर हॉल की दीवारों का पेंट लाइट कलर का करवाएं। 2 बीएचके घर को रॉयल लुक देने के लिए आप कीम कलर का पेंट करवाएं।

### ओपन किचन

इन दिनों ओपन किचन का काफी ट्रेंड है। आप भी घर को रॉयल लुक देने के लिए ओपन किचन बनवा सकते हैं। ओपन किचन का सबसे बड़ा फायदा होता है कि इस जगह का कम यूज होता है। वहीं इससे घर को मॉडर्न लुक भी मिलता है। अगर आप ओपन किचन बनवा रहे हैं तो किचन की टाइल खड़ट या फिर ब्राउन कलर की लें। इसके अलावा किचन की अलमारी भी टाइल से मैचिंग कलर का बनवा सकते हैं। इससे आपका किचन

खूबसूरत नजर आएगा।

### लाइटिंग

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लाइटिंग बहुत जरूरी होता है। रॉयल लुक के लिए घर की लाइटिंग बेहद जरूरी होती है। अगर यह खराब हो गई तो सारा लुक खराब हो जाता है। इन दिनों मार्केट में बेहद खूबसूरत और डिजाइनर लेप और लाइट मिल जाती है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। लिविंग रूम में स्ट्रिंग लाइट लगाने से घर की खूबसूरती में थोड़ा थोड़ा बढ़ाव मिलेगा।

### फर्नीचर

घर की असली खूबसूरती फर्नीचर लगाने के बाद ही आती है। 2 बीएचके घर के लिए आपको अपना फर्नीचर स्मार्ट तरीके से खरीदना चाहिए। अगर आप फर्नीचर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपको घर के लिए ऐसे फर्नीचर लेना है जो कि ज्यादा स्पेस न ले। वहीं इन दिनों शहरों में कम जगह के लिए सोफा कम बेड का काफी चलन है। ऐसे में आप भी इस सोफे सेट के बारे में सोच सकती हैं।

### इंडोर प्लांट्स

घर को खूबसूरत बनाने के लिए शो पीस की जगह आप इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ेगी बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इंडोर प्लांट्स को आप डाइनिंग रूम या फिर लिविंग रूम में रख सकती हैं।

## अपने बगीचे में बोएं ये हरे साग के बीज

### पालक को कैसे उगाएं

- पालक भारत में सबसे लोकप्रिय पत्तेदार सब्जी है। पालक के पौधे तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए बीज अंकुरित होने के 2-3 सप्ताह के भीतर वे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। कटाई करते समय, ऐसे पौधों की दृढ़, जिनमें कम से कम पांच से छह स्वस्थ हरी पत्तियां उगी हों जो तीन से चार इंच लंबी हों।
- बीज बोने से एक सप्ताह पहले मिट्टी को खाद से तैयार करें
- बीज को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक छोड़ें। उन्हें बहुत ज्यादा गहराई तक न बोएं। इससे बीज नहीं उगेंगे।
- बीजों के बीच 3 से 4 इंच का अंतर रखें।
- बीजों के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें। अधिक पानी न डालें। सुबह पानी दें।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- कीटों और बीमारियों पर नजर रखें।
- पालक को अंकुरित न होने दें। पौधों को तुरंत उखाड़ दें।
- पालक की कटाई 45 से 50 दिन में करें।

### मेथी को कैसे उगाएं

- मेथी एक बहुत ही सेहतमंद हरी पत्तेदार सब्जी है।
- बीज बोने के 3-4 दिन के भीतर पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

- तैयार हुई पत्तियां और तने को फिर से उगाने के लिए काट सकते हैं।
  - अच्छी फसल के लिए अच्छा वेंटिलेशन और जल निकासी प्रदान करें।
- ### सरसों का साग कैसे उगाएं?
- सरसों के पत्तों को उनके लीखे स्वाद के लिए पसंद किया जाता है। पत्तियों को युवाई के 20-30 दिन बाद काटा जा सकता है। आप पत्तियों को पकने भी दे सकते हैं। इसके बाद उनका उपयोग कर सकते हैं।
  - सबसे पहले आप पॉटिंग मिक्स तैयार करें। इसके लिए आप 60 प्रतिशत साधारण मिट्टी, 20 प्रतिशत रेत और 20 प्रतिशत कमीकपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं।
  - गमले में पॉटिंग मिक्स भरकर इसे ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो।
  - अब आप गमले में सरसों के बीज डाल दें।
  - ऊपर से हल्की-हल्की मिट्टी डालें।
  - रिपकलर करके पानी दें ताकि बीज अपनी जगह पर ही रहें।
  - बीजों को 3 से 4 दिन में ही आप देखेंगे कि बीजों में से पौधे निकलने लगे हैं।

### माइक्रो ग्रीन्स को मिट्टी में कैसे उगाएं?

- माइक्रोग्रीन्स उगाने के लिए सबसे पहले ऐसी जगह चुनें

- जहां आपको भरपूर धूप मिल सके। इसे थोड़ा साइड में भी उगाया जा सकता है।
- तीन भाग कम्पोस्ट और एक भाग घरमैथुलाइट मिलाएं। सुनिश्चित करें कि दोनों में से किसी भी पदार्थ का कोई ढेर या गाढ़ न हो।
- निष्पन्न को एक उथले कंटेनर या बीज ट्रे में डालें और इसे मिट्टी से भर दें।
- पानी अच्छी तरह से डालें ताकि मिट्टी नम रहे।
- इसके बाद बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़कें।
- अब उन्हें मिट्टी की एक और परत से ढककर मिट्टी को नम करें।
- नमी बनाए रखने के लिए कंटेनर को साफ प्लास्टिक बैग या चादर से ढक दें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन जांच करें कि मिट्टी नम बनी रहे।
- कंटेनरों को अकेले वायु संचार वाले स्थान पर रखें।
- जब बीज अंकुरित हो जाएं तो प्लास्टिक हटा दें।
- खरपतवारों को हटा दें और पौधों को कम कर दें ताकि केवल सबसे मजबूत पौधे ही बचे रहें।
- पौधों को पानी और खाद देना जारी रखें।
- जब पौधे 1-2 इंच लंबे हो जाएं तो कटाई कर लें।
- यदि आप इन्हें तुरंत नहीं खाते हैं तो इन्हें फ्रिज में रखें।
- इसके अलावा आप अपने बगीचे में चुकंदर, मूली, सलाद के पत्ते और गाजर जैसी सब्जियां के बीज लगा सकती हैं।



अक्सर बागवानी करने वालों को यह समझ नहीं आता है कि कौन की सब्जियां अपने बगीचे में लगाएं। अगर आप भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि कौन सी वेजिटेबल लगाएं, तो यह आर्टिकल आपके लिए हेलपफुल साबित हो सकता है।

केमिकल फ्री सब्जियां खाने के लिए अक्सर लोग अपने बगीचे में अलग-अलग प्रकार की सब्जियों को लगाना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता कि वह अपने घर के बगीचे में कौन सी हरी सब्जियां लगाएं। पत्तेदार सब्जियां ज्यादा पॉपुलर होती हैं और दूसरी सब्जियों की अपेक्षा इन्हें उगाना काफी आसान होता है। ज्यादातर हरी सब्जियां अपेक्षाकृत कम ठंडे मौसम में उगाई जा सकती हैं। अगर आप अपने बगीचे में कम समय में सब्जियां उगाना चाहते हैं, तो यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, कि आप इन बीजों को कैसे बो सकती हैं।

## कलिंग समाचार



## संपादकीय

### पाठ्यक्रम से हटाकर इतिहास बदलती सरकार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा लिये गये एक हास्यास्पद फैसले में सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगलों और दिल्ली सल्तनत के अध्याय हटा दिए हैं। भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और %मेक इन इंडिया% और %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है। इसी सप्ताह आई नई पाठ्यपुस्तकों में हुए ये परिवर्तन नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और शालेय शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप बताये गये हैं। हालांकि एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार यह किताबों का सिर्फ पहला भाग है। दूसरा भाग जल्दी ही आने की उ मीद है। वैसे अधिकारी यह साफ नहीं कर पाये कि हटाए गए हिस्से दूसरे भाग में शामिल रहेंगे या नहीं। वैसे कोविड–19 के प्रकोप के बाद अध्ययन सामग्री को कम करने के लिये एनसीईआरटी ने भारतीय इतिहास के मुगल काल तथा दिल्ली सल्तनत से जुड़े अध्यायों को पहले से ही संक्षिप्त कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, लोदी और मुगल राजवंश के विवरण को संक्षिप्त कर दिया गया था। अब इन्हें पूरी तरह से हटा दिया गया है। एक और बड़े बदलाव के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान की किताब %समाज का अध्ययन- भारत और उसके आगे% में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर लिखे गये अध्याय शामिल हुए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को %भारतीय लोकाचार% से परिचित कराना बतलाया गया है। इसी किताब में %भूमि कैसे पवित्र बनती है?% शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इसमें इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों की जानकारी दी गयी है। %पवित्र भूगोल% अध्याय में 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम यात्रा और शक्ति पीठ जैसे स्थानों का विवरण है। इस पाठ में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का एक उद्धरण शामिल है, जिन्होंने भारत को %तीर्थस्थलों की भूमि% बतलाया है। नयी पुस्तक के अनुसार वर्ण–जाति व्यवस्था ने प्रारंभ में सामाजिक स्थिरता प्रदान की परन्तु वह बाद में जड़ हो गई। इसके चलते ब्रिटिश शासन के दौरान असमानताएं पैदा हुईं। इसी वर्ष की 14 जनवरी से लेकर 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक सप्ताह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ पर एक अध्याय का पुस्तक में समावेश किया गया है जिसमें बताया गया है कि आयोजन में 66 करोड़ लोगों ने भाग लिया। वैसे मेले में हुई भगदड़ का जिक्र नहीं है जिसमें अनेक तीर्थयात्री मारे गए थे और कई घायल हुए। नई किताब में %मेक इन इंडिया%, %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% और %अटल सुरंग पर अध्याय हैं जो 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्य हैं। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक समय था जब लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं हुआ करती थी। गौर से देखा जाये ये परिवर्तन बच्चों को भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किये गये हैं। संभव है कि आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से अन्य कक्षाओं में भी ऐसे परिवर्तन देखने को मिलें जो नयी पीढ़ी को एक विशिष्ट तरीके से सोचना सिखायेंगे। एक ओर वह मुस्लिम शासकों के कालखंड को भूल जायेगी तो वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को केवल हिन्दू शासकों के बारे में बतलाकर आधी–अधूरी जानकारी दी जायेगी। साथ ही उन्हें संकीर्णता भी सिखायेगी। जिन मेक इन इंडिया व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में जगह दी गयी है, वे दोनों ही नाकाम साबित हुए हैं। एक ओर तो भारत का मैनुफैक्चरिंग सेक्टर वैसा नहीं बढ़ पाया है जैसा कि दावा किया जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ पिछले दशक भर में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। अपराध सन्ध्या आंकड़े जारी करने वाली सरकार की ही एजेंसी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का तो यही कहना है।

##### शकील अख्तर

जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट है। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

लड़ाई तो अब शुरू होगी। जाति गणना की राहुल गांधी की मांग को मोदी सरकार को मानना पड़ा। आम जनगणना में इस बार जातिवार गणना भी होगी। मगर गिनती हो जाना ही अपने आप में कुछ नहीं है। दलितों की आदिवासियों की गिनती है। दस साल बाद होने वाली हर जनगणना में होती है। हालांकि मोदी सरकार ने अभी तक जनगणना ही नहीं करवाई। 2021 में होना थी। मगर कोविड के बहाने उसे टाल दिया गया। जबकि 2021 में ही 5 राज्यों बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव करवाए। इससे पहले 2020 में बिहार, दिल्ली के। और 2022 में उत्तर प्रदेश के चुनाव भी हुए। चुनाव कभी नहीं टाले। मगर पांच साल लेट हो गई जनगणना। जनगणना में सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह जाति गणना से कैसे बचे। मोदी सरकार ने उस समय संसद में कहा था कि वह अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और

समुदाय की गणना नहीं करवाएगी। ऐसा ही जवाब उसने एक हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट को दिया था। 2021 के बजट में जनगणना के लिए जो पैसा रखा था उसे केंसिल किया ( विलंबित ) अगले साल 2022 तक के लिए। अगले साल फिर 2023 तक के लिए। सरकार जाति गणना से बचने के लिए जनगणना को भी अभी तक टालती रही।

मगर अब उसने अचानक यह फैसला ले लिया। इस पर बहुत सारी बातें हैं। सवाल हैं। कि अचानक क्यों?

देश जब पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा था तब अचानक प्रधानमंत्री मोदी फैसला करते हैं कि हम तो जातिवार गणना कराएंगे। 11 साल से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। जनता जब जो चाहती है उसे वह न देकर दूसरे मामले में उलझा दिया जाता है। बेरोजगार नौकरी मांगते हैं उनसे कहा जाता है कि वह तु हारी भैंस खोल ले जाएंगे। महिलाएं कहती हैं कि आपने तो कहा था– %बहुत हुआ नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार!% तो कहते हैं कि अब तु हारा मंगल सूत्र ले जाएंगे! कुछ भी कह देते हैं। और कुछ नहीं मिला तो कह दिया कि मैं बायलॉजिकल ( मां की कोख से जनमा ) नहीं हूं। जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट है।

खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

जाति गणना तो बहुत पुरानी मांग है। होना चाहिए थी। मगर इस समय घोषणा कुछ और चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ। और घोषणा नहीं कार्रवाई। मगर मोदी जी को आदत पड़ गई है बातों से लोगों को बहलाने की। आखिर 11 साल से यही कर रहे हैं। मगर इस बार संभव नहीं लगता।

दो बड़ी बातें हैं। पहली, बार–बार सीमा पार से आकर यहां लोगों को मारे जाने की घटनाएं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होना। पुलवामा में चालीस जवान शहीद, गलवान में बीस जवान और अब पहलगाम में 26 पर्यटक। दूसरी बात, इनके जवाब में जो मोदीजी जो जाति गणना लाए हैं वह उन्हें उलटी पड़ रही है। आरएसएस और भाजपा के मूल विचार यथार्थविवाद के खिलाफ है। यह दक्षिणपंथी संगठन सामाजिक ढांचे में बदलाव के स त खिलाफ हैं। लेकिन समय की ऐसी बलिहारी है कि देश में सामाजिक ढांचे के बदलाव के आज तक के सबसे बड़े काम की घोषणा मोदी जी के हाथों होना थी। हो गई।

बहुत अच्छा हुआ। सोचिए अगर यह घोषणा राहुल गांधी करते तो क्या होता? 1990

याद कर लीजिए। उसी तरह देश भर में बीजेपी इसके विरोध में हिंसक आंदोलन शुरू कर देती। युवाओं का आत्मदाह याद है! क्या भयावह समय था। वीपी सिंह को आज तक गालियां देते हैं।

मोदी जी की घोषणा से एक लाभ यह जरूर हुआ कि प्रतिक्रियावादी ताकतें मु यत्-ओबीसी और दलित आदिवासी के खिलाफ खुल कर नहीं आ पा रही हैं। केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत गंदगी फैलाई जा रही है। मगर वहां कब नहीं फैला रहे थे ये लोग? फर्क बस इतना था कि पहले मुस्लिम के खिलाफ फैला रहे थे और अब पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी के खिलाफ। मामला पूरा यू टर्न ले गया। अभी तक इस वर्ग को समझा रहे थे कि मुस्लिम तु हारे खिलाफ है। झारखंड के चुनाव में तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने बोल ही दिया था कि बेटी ले जाएंगे। मगर मजबूरी में जैसे ही जाति गणना की घोषणा की तो सारा नजला पिछड़ा अति पिछड़ा दलित आदिवासी पर गिरने लगा।

उसकी सारी सेवाएं भूल गए कि उनको ही आगे ले जाकर मस्जिदों के बाहर नाचते और नारे लगाते थे। 11 साल में देश में हिन्दू–मुसलमान हवा बनाने के लिए सबसे ज्यादा उपयोग समाज के इस वर्चित समाज का ही किया। और अब उसे ही गालियां दी जा रही हैं। दूसरा बड़ा सेटबैक समाज की उच्च जातियों को भी लगा।

आज तक का सबसे बड़ा धक्का हमला। दिखाते तो इसे भी मुसलमान मुसलमान ही रहे। मगर छीन इसका सारा प्रिवलेज ( विशेषाधिकार) लिया। जाति भारत में एक प्रिवलेज की तरह थी। और उसकी सबसे बड़ी रक्षक होने का दावा भाजपा आरएसएस करती थी। मगर पैनिक रिएक्शन (घबराहट) में वह जाति गणना ले आई। इसका कोई फायदा उसे नहीं मिलेगा। दोई दिन से गए ...! इसके आगे नहीं लिख रहे। लोग इस पर भी ऐतराज करने लगे हैं। यह वाला लिख देते हैं कि न खुदा ही मिला न विसाले सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए! यह भी हलवा मिला न मांडे के मुकाबले का है।

सर्वण समझ गया कि वह भी बीजेपी आरएसएस के लिए उपयोग की चीज है। अब पिछड़ा ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगा तो उस पर ही चोट कर दी। और ऐसी चोट की अब वह कभी वर्चस्व की लड़ाई में सं या बल के सामने टिक ही नहीं पाएगा। मोदी को जो वह आंख बंद करके समर्थन दे रहा था वह उसे उलटा पड़ गया। सोशल मीडिया ही आज समाज का आईना बना हुआ है। उस पर तमाम मोदी के समर्थक लिख रहे हैं कि अब उनका समर्थन बंद। बड़ा धोखा हो गया। सही बात है। राहुल करते, अखिलेश करते, तेजस्वी करते तो यह स्वाभाविक माना जाता। वे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे थे। मगर इसे देश को तोड़ने वाला अरबन नक्सल का विचार बताने वाले जब खुद इसको ले आए तो साफ हो

गया कि वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उनकी किसी विचार से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। अगर है तो केवल वोट से अपनी सत्ता से। और अब आखिरी बात। कहानी शुरू वहीं से की थी कि अभी सिर्फ घोषणा हुई है।

इसे लागू करवाना और फिर जाति की सं या के आधार पर हिस्सेदारी के लिए पिछड़े, अति पिछड़े दलित आदिवासी को निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। मोदीजी ने तो आज मुद्दा बदलने के लिए इसकी घोषणा कर दी। महिला आरक्षण की भी की थी। नौकरियों की भी, महंगाई कम करने के भी, 15 लाख की भी सबकी। लेकिन लागू क्या हुआ, मिला क्या? अब सोचना पिछड़े दलित आदिवासी को है कि कौन उसे सं या के हिसाब से हिस्सेदारी दिला सकता है? किसके विचारों में वास्तव में सामाजिक न्याय है?

और कौन सामाजिक न्याय, समानता को समरसता कहकर कमजोर को बलवान के साथ समरस करके मिलाकर रखना चाहता है। समरसता मतलब जो समर्थ कहे उसे मानना। समानता मतलब समर्थ के बराबर सामाजिक रूप से कमजोर का भी अधिकार।



# कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

##### अनिल जैन

जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण हैं और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए।

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है– %न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति। युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत्।।

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)।

भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी सं या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल–नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है। पिछले महीने की 22 तारीख को ज मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जि मेदारी लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद–पानी मिलता है।

पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे।

उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी–पिपासु टीवी चैनल भारतीय जन–मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं। जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चैनलों पर तीतर–बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चैनलों के मूर्ख एंकर–एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चैनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये रक्षा विशेषज्ञ किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चैनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही

प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है। भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह–तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा %पारिश्रमिक% मिलता है।

तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है। युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चैनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि–आदि। कुछ चैनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों

के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है।

भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त हैं। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है। इसकी वजह यह है कि हथियार खरीदी के मामले में पाकिस्तान भी अमेरिका का कोई छोटा ग्राहक नहीं है। इसके अलावा कई मौकों पर पाकिस्तानी सैन्य अह्वं का इस्तेमाल भी वह करता रहा है। जहां तक चीन का सवाल है, उसके तो और भी ज्यादा हित पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। उसने भी पहलगाम हमले की निंदा तो की है लेकिन पाकिस्तान को अपना मजबूत

दोस्त और रणनीतिक भागीदार भी बताकर स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध जैसी स्थिति में वह क्या करेगा। रूस की प्रतिक्रिया भी भारत के लिए आश्चस्तकारी नहीं है। तुर्की, ईरान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देश तो खुल कर पाकिस्तान के साथ हैं। यहां तक कि भारत के छोटे–छोटे पड़ोसी देश भी इस मामले में भारत से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत–पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में कौन किसके साथ रहेगा! कुल मिलाकर युद्ध हमारे लिए बुरी तरह घाटे का सौदा साबित होगा। पाकिस्तान भले ही हमारी तरह परमाणु शक्ति संपन्न है लेकिन वह निहायत ही उद्दण्ड और गैरजि मेदार मुल्क भी है। आर्थिक तौर पर तो वह बर्बाद है ही। उसके पास अपने बेगुनाह अवाग के अलावा खोने को भी कुछ खास नहीं है। इसलिए उसके साथ युद्ध की स्थिति में जो भी कुछ बिगड़ना है वह भारत का ही बिगड़ना है।

सवाल उठता है कि जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए, जो कि भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद की भी है। भारत की इस पहलकदमी से आने वाले समय

में पाकिस्तान पर निश्चित रूप से दबाव बनेगा। अलबत्ता इन कदमों से अदानी, अंबानी और ज़िंदल जैसे हमारे यहां के कुछ उद्योग समूहों के हित जरूर प्रभावित हो सकते हैं, जिनके कारोबारी रिश्ते गहरे तौर पर पाकिस्तान और वहां के सत्ता प्रतिष्ठान से ताह्युक रखने वाले लोगों के साथ जुड़े हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने स्तर पर की जा सकने वाली इस तरह की राजनयिक और आर्थिक नाकेबंदी के साथ ही हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को भी चाक–चौबंद करने के उपाय करने चाहिए। हर आतंकवादी हमले के बाद इस मोर्चे पर हमारी कमजोरियां उजागर होती हैं और सरकार की ओर से इन कमजोरियों को दुरुस्त करने की बातें भी होती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। पहलगाम हमले में भी यह कमजोरी साफ तौर पर उभरकर सामने आई है। इससे पहले उड़ी, पठानकोट एयरबेस और पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले भी हमारी इन्हीं कमजोरियों के परिणाम थे। इन कमजोरियों को दूर किए बगैर अगर हम पाकिस्तान का रण–निर्मंत्रण स्वीकार कर भी लें तो उससे मसले का कोई स्थायी हल नहीं निकल सकता। आखिरकार हम पाकिस्तान की तुलना में कहीं ज्यादा सं या देश हैं। ऐसे ही मौकों पर हमारी सं याता का इतिहास होता है, जब हम उकसावे में आए बगैर अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए अपने मूल्यों को बनाए रखें। युद्ध नहीं, शांति और सह–अस्तित्व ही हमारी सं याता का आधार है।



विविध समाचार



बिजली निगमों में कर्मियों की भारी कमी, करीब 50 फीसदी बेअदबी मामलों पर इंसाफ नहीं, सिर्फ सियासी पद खालीय ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने ब्यौरा मांगा

चंडीगढ़ : हरियाणा में बिजली की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है लेकिन उसके मुताबिक बिजली निगमों में व्यवस्था संभालने के लिए कर्मचारी पर्याप्त नहीं हैं। दोनों बिजली निगमों में लगभग 50 फीसदी पद खाली पड़े हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में कुल 40,294 पद स्वीकृत हैं लेकिन इनमें से 21,575 पद ही भरे गए हैं। दोनों निगमों में अभी 18,769 पद खाली पड़े हैं। हालत यह कि राज्य में बिजली वितरण व्यवस्था लगभग आधी मैनपावर के सहारे चल रही है। बिजली विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार यूएचबीवीएन में 17,956 स्वीकृत पदों में से 10,564 पद ही भरे गए हैं जबकि डीएचबीवीएन में 22,338 स्वीकृत पदों में से 11,011 पर ही कर्मचारी कार्यरत हैं। दक्षिण हरियाणा में तो प्रत्येक दो में से एक पद रिक्त है। वहीं, राज्यभर में बिजली कनेक्शन और लोड की संख्या में लगातार बढ़ती जा रही है। हालांकि, प्रदेश



सरकार ने हारट्रोन, एचकेआरएन के माध्यम से अस्थायी राहत देने की कोशिश की है और अब तक 10,948 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि यह समाधान अस्थिर और अल्पकालिक है। प्रशिक्षित और स्थायी कर्मचारियों की कमी के चलते उपभोक्ताओं की

शिकायतों के समाधान में देरी हो रही है और तकनीकी समस्याएं लंबे समय तक बनी रहती हैं। प्रदेश में अब तक 81,92,187 बिजली कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इनमें 64,21,708 कनेक्शन (78.39): घरेलू उपभोक्ताओं के नाम पर हैं। वहीं, 8,95,551 गैर-घरेलू, 1,09,686 औद्योगिक और 7,03,590 कृ

षि उपभोक्ता हैं। राज्य का कुल कनेक्टेड लोड अब 3,93,97,520 किलोवाट तक पहुंच चुका है जिसमें घरेलू उपभोक्ताओं का हिस्सा 1.24 करोड़ किलोवाट (31.63 प्रतिशत), औद्योगिक उपभोक्ताओं का 1.13 करोड़ किलोवाट (करीब 29 प्रतिशत) और कृषि उपभोक्ताओं का 84.14 लाख

किलोवाट (21.36 प्रतिशत) है। वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक 60,981 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली की बिलिंग की जा चुकी है। इसमें सबसे अधिक खपत घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा 18,213 एमयू (29.87 प्रतिशत), फिर औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा 22,446 एमयू और कृषि उपभोक्ताओं द्वारा 10,581 एमयू रही है। जहां एक ओर उपभोक्ताओं और खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की संख्या नहीं बढ़ रही है।

फील्ड तकनीशियन, लाइनमैन, मीटरिंग वर्कर्स और मंटेनेंस स्टाफ या तो सीमित हैं या अनुबंध आधारीत हैं जिससे सेवाएं समय पर नहीं मिल पातीं और तकनीकी खामियां बनी रहती हैं। प्रदेशवासियों को बिजली की समस्या से दूर करने को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में कई अहम फैसले लागू किए गए हैं। वहीं, विभाग में मैनपावर की कमी का ब्यौरा मांगा गया है, उसी आधार पर कदम भी उठाए जाएंगे।

चंडीगढ़ : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और विधायक पदमश्री परगट सिंह ने आज आम आदमी पार्टी सरकार पर बेअदबी जैसे भावनात्मक मुद्दों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने 2022 में सत्ता में आने से पहले यह वादा किया था कि वह बेअदबी मामलों में 24 घंटों के भीतर इंसाफ देगी। लेकिन आज 40 महीनों के बाद भी सच यही है कि इंसाफ तो दूर, कोई ठोस कार्रवाई तक नहीं हुई। परगट सिंह ने कहा कि इस सरकार की मंशा इस बात से साफ होती है कि उनका मकसद सिर्फ इंसाफ देना नहीं था। इनका इरादा सिर्फ पंजाब की धार्मिक भावनाओं से खेलकर सियासी फायदा लेना था। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परगट सिंह ने बड़ी नाकामियां गिनवाते हुए कहा कि 40 महीनों में इंसाफ नहीं, सिर्फ लीपापोती की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सत्ता में रहते हुए न सिर्फ न्याय प्रक्रिया को रोका, बल्कि पीड़ितों की उम्मीदों को भी तोड़ दिया है। आज तक किसी भी दोषी को

समन तक जारी नहीं हुआ। जांच में नामजद डेरा प्रमुख के खट्टिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति 2.5 साल तक रोक दी गई। मामले चुपचाप पंजाब से बाहर के राज्यों में ट्रांसफर कर दिए गए। परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी के आईटी सेल द्वारा हाल ही में चलाई जा रही सोशल मीडिया मुहिम की भी तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि विधानसभा में बिल पेश होने से पहले ही आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के फटे हुए अंगों की तस्वीरें प्रचार में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इंसाफ नहीं, बल्कि सबसे घटिया स्तर का राजनीतिक ड्रामा है। धार्मिक प्रतीकों और भावनाओं का इस तरह से दुरुपयोग करना निंदनीय है। परगट सिंह ने पंजाब पुलिस से औपचारिक रूप से मांग की है कि आम आदमी पार्टी के आईटी सेल की तरफ से की जा रही इस सोशल मीडिया मुहिम पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को आहत कर, समाज में तनाव पैदा करने की यह साजिश बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस इसमें शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की करे।

मानसून राजस्थान में फंसा : हरियाणा में पश्चिमी व दक्षिणी जिलों में रहेगा असर, मकान गिरने से 18 लोग दबे

हिसार : मानसून टर्फ के राजस्थान पर फंसे रहने के कारण हरियाणा के राजस्थान से सटे जिलों में झमाझम बारिश हुई है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी, दक्षिणी, उत्तरी व मध्य जिलों में बूदाबादी और पूर्वी जिलों में बिखराव वाली बारिश दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि मध्य प्रदेश पर बना चक्रवातीय परिसंचरण जयपुर में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इस कारण पश्चिमी विक्षोभ ज्यादा असरदार साबित नहीं हो रहे और हरियाणा में मानसून की बारिश में कमी आ गई है। उनके अनुसार, मानसून टर्फ अभी राजस्थान पर ही टिकी हुई है।

जयपुर में बना कम दबाव का क्षेत्र अगर बीकानेर की तरफ बढ़ता है तो हरियाणा के पश्चिमी व दक्षिणी जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। अगर यह गुजरात की तरफ आगे बढ़ता है तो यहां से पाकिस्तान चला जाएगा। बारिश के बीच रविवार देर रात



बीरसिका गांव में एक ही परिवार के मकान गिरने से परिवार के 18 लोग दब गए। इसमें दस वर्षीय सिहान पुत्र तालीम की मौत हो गई। परिवार के सदस्य साकिर ने बताया कि स्व. वली मोहम्मद के चार बेटे गांव में एक ही जगह पर रहते हैं। रात करीब 11 बजे मकान की दीवार गिरने से सभी दब गए। इसमें मुबीना पत्नी वली मोहम्मद (60), रियाज (25), रासीद (30) व मोमिन (15) पुत्र वली मोहम्मद, तोफिना पत्नी तालीम (28), साबिला पत्नी रासीद (25), सलीमन पत्नी रियाज मोहम्मद (20), वासिदा पत्नी मुमताज (23), सिहान (10), साजिया (12) व उजेर

(6) पुत्र तालीम, इकराना (4) व आयत (2) पुत्र रासीद, सरहान (1) पुत्र रियाज, दानिस (6), मनसा (4) व काफिया (2) पुत्री मुमताज घायल हो गए। सिहान की इलाज के दौरान मौत हो गई। गंभीर हालत में डॉक्टरों ने ज्यादातर घायलों को पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया है। पश्चिमी विक्षोभ को अरब सागर से ज्यादा नमी मिलेगी और यह मजबूत बनेगा, जिससे मानसून टर्फ के हरियाणा पर आने की भी संभावना बढ़ेगी। वहीं, मध्य प्रदेश पर बने कम दबाव के क्षेत्र के भी राजस्थान की तरफ से बढ़ने की संभावना है। इससे हरियाणा में 18 तक बारिश होगी।

प्रताप सिंह बाजवा की विधानसभा में की गई टिप्पणी सिख भावनाओं के खिलाफ, तुरंत माफी मांगें : प्रो. सरचंद

अमृतसर : पंजाब विधानसभा में आज विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान को संबोधित करते हुए यह कहना कि “आपके बजे होंगे 12, हमारे नहीं”, जिस संदर्भ में यह टिप्पणी की गई, वह सिखों की महान कुर्बानियों और शहादतों का अपमान है। यह कथन सिख भावनाओं को गहराई से आहत करता है। ये शब्द न केवल असंवेदनशील हैं, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सिखों की वीरता और शहादत की विरासत को नकारने वाली कांग्रेस मानसिकता को भी उजागर करते हैं। भाजपा पंजाब के प्रवक्ता प्रो. सरचंद सिंह ख्याला ने कहा कि यह एक गंभीर और संवेदनशील विषय है, जो सिख इतिहास और आत्मगौरव से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रताप सिंह बाजवा, जो स्वयं सिख विरासत को भली-भांति समझते और जानते हैं, उन्हें अपनी इस टिप्पणी पर संपूर्ण सिख पंथ से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह तथ्य कि “सिखों के 12 बजना”अक्सर मजाक या नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है, पूरी तरह गलत है। वास्तव में, सिख इतिहास में “12 बजे” का संदर्भ 18वीं सदी की उस घड़ी से जुड़ा

है जब सिख जथे अहमद शाह अब्दाली की सेनाओं पर रात के अंधेरे में धावा बोलकर मासूम भारतीय महिलाओं की अस्मिता की रक्षा हेतु अपने प्राणों की बाजी लगाया करते थे। यह कथन सिखों की वीरता, साहस और उनके नैतिक उच्च आदर्शों की पहचान है। प्रो. ख्याला ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा विधानसभा जैसे पवित्र मंच से इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि आज भी उनकी सोच उस अंग्रेजी और गुलाम मानसिकता से प्रेरित है, जिसने वर्षों तक सिख पहचान को हास्य और उपहास का विषय बनाए रखा। उन्होंने कहा कि “यह बयान केवल किसी एक व्यक्ति या पार्टी की गलती नहीं, बल्कि यह सिख कौम की भावनात्मक चेतना को नजरअंदाज करने की एक गम्भीर कोशिश है।” प्रो. सरचंद सिंह ख्याला ने माँग की है कि बाजवा सिख कौम से तुरंत माफी माँगें और अपनी यह टिप्पणी वापस लें। साथ ही, कांग्रेस पार्टी को भी चाहिए कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता और सतर्कता दिखाए, न कि व्यंग्य और कटाक्ष के माध्यम से सिख इतिहास और विरासत का अपमान करे।

निम्बरी गांव में उधार देने से इंकार करने पर दुकान पर फायरिंग

पानीपत (हरियाणा)। पानीपत में सोमवार देर शाम को निम्बरी गांव में एक युवक ने उधार देने से इंकार करने पर दुकानदार ओर फायरिंग कर दी। जिसमे दुकानदार बच गया। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला चांदनी बाग थाना क्षेत्र के निम्बरी गांव का है। गांव के बल्लिंद्र ने बताया कि उनकी गांव के बाहर किराना की दुकान है। सोमवार शाम को गांव का ही युवक विकास उर्फ विक्का दुकान ओर आया था। उस समय दुकान में उनका बेटा था। विक्का ने कोल्डड्रिंक व कुछ अन्य सामान मांगा। तो बेटे ने उधार देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद विक्का ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन ओर हमला कर दिया।

निम्बरी गांव में उधार देने से इंकार करने पर दुकान पर फायरिंग



पानीपत (हरियाणा)। पानीपत में सोमवार देर शाम को निम्बरी गांव में एक युवक ने उधार देने से इंकार करने पर दुकानदार ओर फायरिंग कर दी। जिसमे दुकानदार बच गया। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामला चांदनी बाग थाना क्षेत्र के निम्बरी गांव का है। गांव के बल्लिंद्र ने बताया कि उनकी गांव के बाहर किराना की दुकान है। सोमवार शाम को गांव का ही युवक विकास उर्फ विक्का दुकान ओर आया था। उस समय दुकान में उनका बेटा था। विक्का ने कोल्डड्रिंक व कुछ अन्य सामान मांगा। तो बेटे ने उधार देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद विक्का ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन ओर हमला कर दिया।

ये कैसी दोस्ती? होटल में किशोर से क्रूरता की सारी हदें पार, बाल खोले, कछहरा उतारा और बनाते रहे वीडियो

लुधियाना : शहर के बस स्टैंड के नजदीक स्थित होटल लीफ में एक 16 वर्षीय किशोर के साथ दरिंदगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि किशोर के ही तीन परिचितों ने उसे होटल के कमरे में नंगा कर पीटा, उसके धार्मिक चिन्हों (केश और कछहरे) की बेअदबी की और इस पूरी घटना का अश्लील वीडियो भी बनाया। पीड़ित किशोर के पिता की शिकायत पर थाना डिवीजन नंबर 5 की पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित के पिता ने बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा अपने परिचित हीरा सिंह, अभी और जस्सी के साथ कपड़े

खरीदने के लिए लुधियाना के चौड़ा बाजार गया था। रात होने पर चारों ने बस स्टैंड के पास स्थित होटल लीफ में एक कमरा किराए पर ले लिया। आरोप है कि रात में तीनों युवकों ने उनके बेटे के साथ मारपीट की और अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दीं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने किशोर के बाल खोलकर उनकी बेअदबी की और उसका कछहरा उतारकर उसके साथ गंदी हरकत की। दरिंदों ने किशोर को पूरी तरह नंगा कर दिया, उसके साथ मारपीट की और इस पूरी हैवानियत का मोबाइल पर वीडियो भी बना लिया। पीड़ित के पिता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी अभिजीत राय को गिरफ्तार कर लिया है।

पानीपत : पानीपत के इसराना तहसील में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और विजिलेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसीलदार के रीडर इंद्रजीत को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मांडी गांव के निवासी नवीन की शिकायत पर की गई, जिसमें

उन्होंने आरोप लगाया था कि तहसीलदार का रीडर इंद्रजीत जमीन के तकसीम (बंटवारे) के मामले को निपटाने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार, नवीन ने एसीबी को शिकायत दर्ज कराई थी कि इंद्रजीत ने तकसीम के मामले में प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के

लिए 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की पुष्टि के बाद, एसीबी और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने जाल बिछाया और आज इंद्रजीत को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान, इंद्रजीत के पास से रिश्वत की राशि बरामद की गई, ।



## दर्दनाक सड़क हादसा, दो युवा एथलीटों की मौत, खेल जगत में शोक की लहर

भुवनेश्वर २७/१० (संवाददाता): ओडिशा में बुधवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे ने राज्य के खेल जगत को गहरा सदमा दिया है। कटक-भुवनेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलनाखारा के पास हुए हादसे में दो होनहार युवा एथलीटों, मृत्युम जयराम डोंडापति और मलाया बारिक की मौत हो गई। दोनों खिलाड़ी भुवनेश्वर के प्रतिष्ठित कलिंगा स्टेडियम स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। इस दर्दनाक घटना के बाद खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में शोक का माहौल है। मु यमंजरी मोहन चरण माझी ने दोनों खिलाड़ियों के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए इसे राज्य के खेल समुदाय के लिए बड़ी क्षति बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना बुधवार, 21 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे कटक-भुवनेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलनाखारा के समीप हुई। हादसे में दोनों युवा

एथलीट गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तत्काल कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। खेल देखे अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों खिलाड़ियों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने उनके परिवारों के साथ-साथ खेल जगत को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। दुर्घटना के सटीक कारणों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। कलिंगा स्टेडियम में ले रहे थे विशेष प्रशिक्षण मृत्युम जयराम डोंडापति और मलाया बारिक ओडिशा के उभरते हुए एथलीटों में शामिल थे। दोनों भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण हासिल कर रहे थे। यह केंद्र खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और प्रतिस्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं



के लिए तैयार करने के उद्देश्य से संचालित किया जाता है। यहां प्रशिक्षित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया जाता है। दोनों युवा खिलाड़ियों का खेल करियर आगे बढ़ रहा था, लेकिन सड़क हादसे ने उनके सपनों पर असमय विराम लगा दिया। राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे थे दोनों खिलाड़ी मृत्युम जयराम डोंडापति तेज रतार दौड़ के लिए पहचाने

जाते थे। वह 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ स्पर्धाओं में हिस्सा लेते थे। वहीं, मलाया बारिक 400 मीटर दौड़ के खिलाड़ी थे। दोनों ने विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में ओडिशा का प्रतिनिधित्व किया था। डोंडापति ने हाल ही में 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक जयपुर में आयोजित छठी इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में रजत और

100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। उनके इस प्रदर्शन ने खेल क्षेत्र में उनकी बढ़ती क्षमता को उजागर किया था। खेल देखें मलाया बारिक भी राज्य की एथलेटिक्स टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने 400 मीटर और रिले स्पर्धाओं में अपनी भागीदारी दर्ज कराई थी। दोनों खिलाड़ियों को ओडिशा की युवा एथलेटिक्स प्रतिभाओं में गिना जाता था। मु यमंजरी मोहन चरण माझी ने बताया दुख ओडिशा के

मु यमंजरी मोहन चरण माझी ने दोनों एथलीटों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक संदेश साझा करते हुए खिलाड़ियों के असामयिक निधन को राज्य के खेल समुदाय के लिए बड़ी क्षति बताया। मु यमंजरी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि दो युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का इस तरह चले जाना अत्यंत दुःखद है। दोनों एथलीटों की मौत से उन परिवारों की उ मीदों को बड़ा आघात पहुंचा है, जिन्होंने अपने बच्चों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया था। ओडिशा के खेल जगत को बड़ा नुकसान पिछले कुछ वर्षों में ओडिशा ने खेल सुविधाओं और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम देश के प्रमुख खेल केंद्रों में शामिल है। यहां

एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राज्य में युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए हाई परफॉर्मेंस सेंटर और विशेष खेल कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाना है। ऐसे समय में दो उभरते खिलाड़ियों की असामयिक मौत ओडिशा की एथलेटिक्स बिरादरी के लिए दुःखद घटना है। दोनों खिलाड़ी अपनी मेहनत और प्रदर्शन के जरिए खेल में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। सड़क सुरक्षा को लेकर भी उठे सवाल इस हादसे ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा के महत्व को सामने ला दिया है। विशेष रूप से रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। क्लेम मदद लें हालांकि इस घटना में दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सड़क

हादसों की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन, उचित रोशनी, गति नियंत्रण और समय पर आपातकालीन सहायता महत्वपूर्ण मानी जाती है। दोनों एथलीटों की मृत्यु इस बात की दुःखद याद दिलाती है कि सड़क पर एक हादसा कई परिवारों की जिंदगी बदल सकता है। अधूरे रह गए दो होनहार खिलाड़ियों के सपने मृत्युम जयराम डोंडापति और मलाया बारिक का जीवन खेल और कठिन परिश्रम से जुड़ा हुआ था। दोनों अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के बाद भविष्य में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की संभावनाएं उनके सामने थीं। लेकिन बुधवार रात हुए हादसे ने उनके उभरते खेल करियर को अचानक समाप्त कर दिया। दो युवा खिलाड़ियों का इस तरह दुनिया से चले जाना केवल उनके परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे खेल समुदाय के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

## बीजद के मुख्य सचेतक ने आगे बढ़ने के लिए ओडिशा हाईकोर्ट से अनुमति मांगी

कटक २७/१० (संवाददाता): उड़ीसा उच्च न्यायालय बीजद की मु य सचेतक प्रमिला मलिक की मौजूदा रिट याचिकाओं पर निर्णय के साथ आगे बढ़ने के बजाय, मार्च के राज्यसभा चुनावों में कथित क्रॉस-वोटिंग को लेकर पार्टी के आठ विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं के साथ ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष के पास नए सिरे से जाने की याचिका पर विचार करेगा। न्यायमूर्ति मुंग्का शेखर साहू ने मलिक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मिलन कानूनगो की दलील को दर्ज किया कि उन्हें अपने मुवक्किल से स्पष्ट निर्देश मिले थे कि वह ओडिशा विधान सभा के सदस्यों (दल-बदल के आधार



पर अयोग्यता) नियम, 1987 के नियम 6 (6) और 6 (7) के तहत निर्धारित प्रारूप में नए आवेदन दाखिल करके फिर से अध्यक्ष से संपर्क करें। न्यायमूर्ति साहू ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता नए सिरे से स्पीकर से संपर्क करना चाहता है, तो उसे रिट याचिकाओं की वर्तमान स्वरूप में स्थिरता या उनकी योग्यता के संबंध में न्यायिक प्रक्रिया में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं है। कानूनगो ने अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करने वाली स्पीकर की 19 जून की अधिसूचना का हवाला दिया और कहा कि स्पीकर द्वारा बताई गई प्रक्रियात्मक खामियां ठीक हो सकती हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि मल्लिक नए आवेदन

दाखिल करते समय निर्धारित नियमों और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों का पालन करेंगे। अधिसूचना में, अध्यक्ष ने संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता याचिकाओं को नियंत्रित करने वाली प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का स ती से पालन करने के महत्व पर जोर दिया था। अध्यक्ष ने पाया था कि ऐसी कार्यवाही प्रकृति में अर्ध-न्यायिक थी और किसी निर्वाचित सदस्य के पूरे कार्यकाल तक पद पर बने रहने के अधिकार के लिए गंभीर परिणाम हो सकते थे। उन्होंने अदालत को बताया कि मल्लिक नए आवेदन दाखिल करते समय निर्धारित नियमों और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों का पालन करेंगे।



भुवनेश्वर २७/१० (संवाददाता): बीजद ने कैपिटल पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि अज्ञात बदमाश इस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके डीपफेक वीडियो प्रसारित करके पूर्व आईएसएस अधिकारी सुजाता राउत कार्तिकेयन सहित पार्टी की महिला नेताओं को निशाना बना रहे थे। शिकायत में, बीजद नेता अमृता मिश्रा ने कहा कि छात्र संघ चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद, ओडियांका छटा नाम के एक सोशल मीडिया आउटलेट के उपयोगकर्ता ने विपक्ष के नेता और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक और पार्टी की महिला नेताओं को निशाना बनाते हुए अल-जन्नेटेड वीडियो पोस्ट करना

शुरू कर दिया मिश्रा ने दावा किया कि पार्टी की महिला नेताओं पर जानबूझकर हमला करने, उन्हें बदनाम करने और उनकी प्रतिष्ठा धूमिल करने का प्रयास किया गया। उन्होंने शिकायत में कहा, रविवार को, एक उपयोगकर्ता ने वरिष्ठ नेता सुजाता राउत कार्तिकेयन को निशाना बनाते हुए एक अल-जन्नेटेड और वॉयस-क्लोन वीडियो अपलोड किया उन्होंने कहा, आरोपी ने कार्तिकेयन की आवाज को बदल दिया और संशोधित किया और एक डीपफेक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उसे केंद्रपाड़ा ऑटोनामस कॉलेज के प्रिंसिपल को फोन करते हुए, गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हुए और छात्र चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है।



कटक २७/१० (संवाददाता): ओडिशा के डीजीपी (प्रभारी) विनयतोष मिश्रा ने कहा कि पुलिस की जि मे दारियां अब केवल अपराध नियंत्रण तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें आतंकवाद, माओवाद, संगठित अपराध, साइबर अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी सहित कई तरह की चुनौतियां शामिल हैं। कटका में राज्य पुलिस मु यालय में 67वें पुलिस स्मृति दिवस को संबोधित करते हुए, मिश्रा ने कहा कि पुलिस को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है, यातायात का प्रबंधन करना है और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने राठ की सुरक्षा और

स मान के लिए कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की एक्स पर एक पोस्ट में, मु यमंजरी मोहन चरण माझी ने कहा, पुलिस स्मृति दिवस पर, हम अपने बहादुर पुलिस कर्मियों को उनके साहस, समर्पण और सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए श्रद्धांजलि देते हैं। उनके बलिदान और अथक प्रयास हमारे नागरिकों की रक्षा करते हैं और कानून के शासन को बनाए रखते हैं। राठ उनकी अमूल्य सेवा और बलिदान के लिए बहुत आभारी हैं। सीएम माझी ने आजाद हिंद फोर्स के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले आजाद हिंद दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भी श्रद्धांजलि दी। मु यमंजरी ने कहा, आजाद हिंद सेना के स्थापना दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सेना के वीर जवानों को हार्दिक नमन। पुलिस ने एक औपचारिक

शोक शास्त्र (शोक के निशान के रूप में हथियार उलटना) करके और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को स मानित किया। राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस उन 10 सीआरपीएफ जवानों की याद में मनाया जाता है जो 1959 में इसी दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए थे। मिश्रा ने कहा कि इस साल, विभिन्न राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 154 कर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान दे दी। राज्य में माओवादी विरोधी अभियानों के दौरान मारे गए ओडिशा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा, उनका बलिदान पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत रहेगा। उन्होंने उनके परिवारों के बलिदान और धैर्य को स्वीकार करते हुए कहा, उनके साहस, बलिदान और निरंतर प्रयासों ने माओवादी हिंसा का मुकाबला करने और राज्य में शांति स्थापित करने में मदद की है।

## संभलपुर में तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

संभलपुर २७/१० (संवाददाता): संभलपुर जिला के रेढ़ाखोल आबकारी टीम ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिला के दो और ओडिशा के कटक जिला के दो तस्करों को 32 किलो गांजा और एक टाटा इंडिगो कार के साथ गिर तार किया। यह चारों आरोपित बज्रद जिला से गांजा लेकर रेढ़ाखोल के रास्ते पश्चिम बंगाल जा रहे थे। चारों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर बुधवार के दिन न्यायिक हिरासत में रेढ़ाखोल उपकारा भेज दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए रेढ़ाखोल आबकारी इंस्पेक्टर जाधव पधान ने बताया कि मंगलवार की आधी रात जब आबकारी टीम गश्ती पर निकली थी तभी रेढ़ाखोल थाना अंतर्गत बिशीपाली चौक के निकट बज्रद जिला के ओर से आती सफेद रंग की एक टाटा इंडिगो कार को रोककर तलाशी ली तब दो बड़े प्लास्टिक बैग में भर्ती 32 किलो गांजा मिला। ऐसे में कार में सवार चार व्यक्ति को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ के बाद बुधवार के दिन चारों को गिर तार कर लिया गया।

राउरकेला २७/१० (संवाददाता): सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) के समागम स मेलन कक्ष में 1 'नई वृत्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य करने की स्थिति' (ओ.एच.एस.डब्ल्यू.सी. कोड) पर एक संगोष्ठी एवं व्या यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं क्षेत्रों के 60 से अधिक सुरक्षा अधिकारियों तथा एच.आर. अधिकारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि यह कोड वृत्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य करने की स्थिति से संबंधित नियमों को समेकित एवं सरल बनाती है। इसके प्रमुख प्रावधानों में नियोक्ताओं द्वारा सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाए रखने की जि मेदारी भी शामिल है। इस अवसर पर ओडिशा सरकार के फैक्ट्री ज



एवं बॉयलर विभाग के सहायक निदेशक, श्री एस.एस.राउत मु य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। मंच पर मु य महा प्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ), श्री हीरालाल महापात्र तथा महा प्रबंधक (सुरक्षा इंजीनियरिंग), श्री अबकास बेहेरा भी उपस्थित थे। इस संगोष्ठी ने ज्ञान-

साझाकरण एवं विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को नई ओ.एच.एस.डब्ल्यू.सी. कोड के वैधानिक प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पर इसके प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिला। मु य

व्या यान देते हुए श्री राउत ने नई ओ.एच.एस. डब्ल्यू.सी. कोड के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वृत्तिगत स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सुदृढ़ करने, कार्य करने की स्थिति में सुधार लाने तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने

में इस कोड के महत्व को स्पष्ट किया। अपने संबोधन में श्री हीरालाल महापात्र ने सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के प्रभावी क्रियाव्यवस्था के लिए सुरक्षा अधिकारियों एवं मानव संसाधन अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय पर बल दिया। वहीं, श्री अबकास बेहेरा ने पूरे संयंत्र में सुरक्षा कार्यप्रणालियों को सुदृढ़ करने, वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सक्रिय सुरक्षा संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री अबकास बेहेरा ने उपस्थित कर्मसमूह का स्वागत किया। सहायक महा प्रबंधक (एस.ई.डी.), श्री बी.के.पाद्री ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि वरिष्ठ प्रबंधक (एस.ई.डी.), श्री एस.आर. बिस्वाल ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

**विज्ञापन सं. 05/2026**

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-केन्द्रीय कांच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई), कोलकाता के निदेशक के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भर्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 15 (रु.1,82,200-2,24,100) में आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए, कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट [www.csir.res.in](http://www.csir.res.in) पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 05/2026 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडेटा और प्रकाशनों/पेटेंटों आदि की सूची सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी [arc.hqrs@csir.res.in](mailto:arc.hqrs@csir.res.in) पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट, सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक **30/11/2026** को अथवा उससे पहले भेजें।

**CBC 36202/11/0021/2627**